सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक राष्ट्रीय सहारा लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

अब तक 1.11 करोड़ प्रचार सामग्री हटायी गयीं

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद लागू आदर्श आचार संहिता के चलते अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 11123581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 6757448 तथा निजी स्थानों से 4366133 प्रचार-प्रसार सामग्री शामिल है। वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग दुरुपयोग के 1271 तथा लाउडस्पीकर एक्ट उल्लंघन के 2192 मामलों में कार्रवाई की गयी।

■ आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से प्रशासन की कार्रवाई

उन्होंने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नारकोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अब तक 31537.07 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किये गये। बुलन्दशहर विधानसभा में 12.61 लाख रुपये की 4850 लीटर शराब, खुर्जा विधानसभा में 10.93 लाख रुपये की 4204.92 लीटर शराब जब्त की गई। नोएडा विधानसभा में 13 लाख रुपये नगद तथा फिरोजाबाद विधानसभा में 15 लाख रुपये की 5000 ग्राम ड्रग पकड़ी गयी। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान शान्ति भंग की आशंका से अब तक 1964008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है।

पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4298 शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। 7250 अवैध शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० आज लखनऊ ..... दिनांक 22 APR 2024

कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं-रिणवा

हटाये गये पोस्टर, बैनर व प्रचार सामग्री

लखनऊ। सीईओ नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन में सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से 1,11,23,581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 67,57,448 तथा निजी स्थानों से 43,66,133 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 7,33,359, पोस्टर के 31,46,851, बैनर के 19,11,044 एवं अन्य 9,66,194 मामलों में कार्यवाही की गयी। निजी स्थानों में से वालराइटिंग के 5,83,970, पोस्टर के 20,00,730 बैनर के 10,71,545 एवं अन्य 7,09,888 मामलों में कार्यवाही की गयी।

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जाँच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 20 अप्रैल तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त किये गये। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया।20 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 03 लाइसेंसी शस्त्र जब्त तथा 07 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 35,679 लोगों को पाबन्द किया गया। साथ ही 82 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 136 कारतूस, 43.82 किलोग्राम विस्फोटक बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 75 केन्द्रों पर रेड डाली गयी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमर उजाला लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

आचार संहिता के उल्लंघन में अब तक 83 एफआईआर

लखनऊ। आचार संहिता का उल्लंघन करने से भी प्रत्याशी बाज नहीं आ रहे। अब तक प्रदेश में इसको लेकर 83 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। वहीं, 6 एनसीआर भी दर्ज हुई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि वाहनों में बीकन लाइट, झंडे के दुरुपयोग के 1271 मामलों और लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 2192 मामलों में कार्रवाई की गई। पुलिस ने आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए हैं।

वहीं, 4298 लाइसेंस निरस्त कर शस्त्र जमा कराए जा चुके हैं। अब तक 19,64,008 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। पुलिस ने 7250 अवैध शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद किए हैं। 1 मार्च से 20 अप्रैल तक कुल 315.37 करोड़ रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं और नकदी जब्त की गई है। (ब्यूरो)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 हिन्दुस्तान, लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

एक करोड़ से अधिक अवैध प्रचार सामग्री हटाई

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक व निजी स्थानों से कुल 11123581 अवैध प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 6757448 और निजी स्थानों से 4366133 प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दै0 हिन्दुस्तान, लखनऊ 22 APR 2024

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक .....

आपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए 480 अंतर्राज्यीय व 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर हैं। पुलिस ने आपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए और 4298 लाइसेंस निरस्त कर जमा कराए गए। उन्होंने बताया कि शांति भंग की आशंका में 2473998 लोगों को पाबंद करने के लिए नोटिस दिया गया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 हिन्दुस्तान लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

1.61 करोड़ की शराब व नगदी जब्त

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस व नार्कोटिक्स विभाग और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अब तक 315.37 करोड़ रुपये की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किए गए। शनिवार को ही 1.61 करोड़ रुपये की शराब, ड्रग व नगदी जब्त की गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कुल 29.63 करोड़ नगद, 41.37 करोड़ की शराब, 211.21 करोड़ की ड्रग, 21.58 करोड़ की बहुमूल्य धातुएं और 11.56 करोड़ की अन्य सामग्री जब्त की गई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्पष्ट आवाज लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ और नकदी जब्त

लखनऊ (स्पष्ट आवाज)। लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये जाने के लिए पुलिस और प्रवर्तन एजेंसिया व उड़नदस्ता टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत 20 अप्रैल को कुल 161.11 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 36.62 लाख रुपये नकद धनराशि, 76.23 लाख रुपये कीमत की 27944.02 लीटर शराब, 46.08 लाख रुपये कीमत की 58338.65 ग्राम ड्रग एवं 2.10 लाख रुपये कीमत की 2730 ग्राम बहुमूल्य धातुएं व 0.08 लाख रुपये कीमत की 65 अन्य सामग्री जब्त की गयी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 20 अप्रैल तक कुल 31537.07 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किये गये। इसमें 2963.79 लाख रुपये नकद धनराशि, 4137.59 लाख रुपये कीमत की शराब, 21121.15 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 2158.15 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.38 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

अब तक पांच सौ लाइसेंस निरस्त

लखनऊ (स्पष्ट आवाज)। निष्पक्ष एवं सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इसके अनुपालन में कार्रवाई करते हुए 20 अप्रैल को पुलिस ने आपराधिक छवि के व्यक्तियों के तीन लाइसेंसी शस्त्र जब्त और 07 शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। 16 मार्च से 20 अप्रैल 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने रविवार को बताया कि सघन जांच के लिए 480 अंतराज्यीय चेक पोस्ट एवं 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 20 अप्रैल तक 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने के लिए नोटिस प्रेषित किये गये। इनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया।

सघन जॉच के लिए चेक पोस्ट स्थापित

लखनऊ (स्पष्ट आवाज)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जॉच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 20 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० जनसंदेश टाइम्स लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

आचार संहिता के चलते अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र किये गये जब्त

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशोंका कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। 16 मार्च को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जॉच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। अब तक पुलिस

विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया। को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 03 लाइसेंसी शस्त्र जब्त तथा 07 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 35,679 लोगों को पाबन्द किया गया। साथ ही 82 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 136 कारतूस, 43.82 किलोग्राम विस्फोटक बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 75 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 02 केन्द्रों को सीज किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमृत विचार लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

161.11 लाख रुपये की शराब, ड्रग व नकदी जब्त

अमृत विचार, लखनऊ : आदर्श आचार संहिता के तहत चल रही कार्रवाई के तहत 161.11 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नकदी जब्त की गई, जबकि एक मार्च से अब तक कुल 31537.07 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी जब्त की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि अब तक 2963.79 लाख नकद, 4137.59 लाख कीमत की शराब, 21121.15 लाख रुपये की ड्रग, 2158.15 लाख रुपये की बहुमूल्य धातुएं व 1156.38 लाख कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गई है। इसके अलावा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये हैं।

4298 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराये गये गये हैं। 19,64,008 लोगों को पाबंद किया गया है। पुलिस विभाग के जरिये 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद किये गये हैं, जबकि अवैध शस्त्र बनाने वाले 140 स्थलों को सीज कर दिया गया है। आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सार्वजनिक व निजी स्थानों से अब तक कुल 1,11,23,581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर लखनऊ ..... दिनांक 22 APR 2024

आपराधिक छवि के व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त

लखनऊ। निष्पक्ष एवं सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इसके अनुपालन में कार्रवाई करते हुए 20 अप्रैल को पुलिस ने आपराधिक छवि के व्यक्तियों के तीन लाइसेंसी शस्त्र जब्त और 07 शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। 16 मार्च से 20 अप्रैल 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने रविवार को बताया कि सघन जांच के लिए 480 अंतराज्यीय चेक पोस्ट एवं 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 20 अप्रैल तक 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने के लिए नोटिस प्रेषित किये गये। इनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर लखनऊ दिनांक, 22 APR 2024

22 APR 2024

161.11 लाख का मादक पदार्थ और नकदी जब्त

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये जाने के लिए पुलिस और प्रवर्तन एजेंसिया व उड़नदस्ता टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत 20 अप्रैल को कुल 161.11 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 36.62 लाख रुपये नकद धनराशि, 76.23 लाख रुपये कीमत की 27944.02 लीटर शराब, 46.08 लाख रुपये कीमत की 58338.65 ग्राम ड्रग एवं 2.10 लाख रुपये कीमत की 2730 ग्राम बहुमूल्य धातुएं व 0.08 लाख रुपये कीमत की 65 अन्य सामग्री जब्त की गयी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 20 अप्रैल तक कुल 31537.07 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किये गये। इसमें 2963.79 लाख रुपये नकद धनराशि, 4137.59 लाख रुपये कीमत की शराब, 21121.15 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 2158.15 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.38 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र भारत लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में हटायी प्रचार सामग्री

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। निर्वाचन आयोग लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को लेकर प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सख्ती से कराने में जुटा है। इस संबंध में रविवार को प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 1,11,23,581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 67,57,448 तथा निजी स्थानों से 43,66,133 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 7,33,359, पोस्टर के 31,46,851, बैनर के 19,11,044 एवं अन्य 9,66,194 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार निजी स्थानों में से वालराइटिंग के 5,83,970, पोस्टर के 20,00,730 बैनर के 10,71,545 एवं अन्य 7,09,888 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार अब तक वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग के 1271 मामलों में तथा लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 2192 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसके अलावा बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 83 एफआईआर दर्ज, 06 एनसीआर सहित कुल 89 प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० जनसंदेश टाइम्स लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से अब तक कुल 1,11,23,581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 1,11,23,581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 67,57,448 तथा निजी स्थानों से 43,66,133 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 7,33,359, पोस्टर के 31,46,851, बैनर के 19,11,044 एवं अन्य 9,66,194 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार निजी स्थानों में से वालराइटिंग के 5,83,970, पोस्टर के 20,00,730 बैनर के 10,71,545 एवं अन्य 7,09,888 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार अब तक वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग के 1271 मामलों में तथा लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 2192 मामलों में कार्यवाही की गयी। बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 83 एफआईआर दर्ज, 06 एनसीआर सहित कुल 89 प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक। 22 APR 2024

आयोग के निर्देशों का किया जा रहा कड़ाई से अनुपालन

ब्यूरो प्रमुख

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जाँच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 20 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया। 20 अप्रैल, 2024 को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 03 लाइसेंसी शस्त्र जब्त तथा 07 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 35,679 लोगों को पाबन्द किया गया। साथ ही 82 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 136 कारतूस, 43.82 किलोग्राम विस्फोटक बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 75 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 02 केन्द्रों को सीज किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

आपराधिक छवि के व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त

लखनऊ, 21 अप्रैल (तरुणमित्र)। निष्पक्ष एवं सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इसके अनुपालन में कार्रवाई करते हुए 20 अप्रैल को पुलिस ने आपराधिक छवि के व्यक्तियों के तीन लाइसेंसी शस्त्र जब्त और 7 शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। 16 मार्च से 20 अप्रैल 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने रविवार को बताया कि सघन जांच के लिए 480 अंतराज्यीय चेक पोस्ट एवं 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 20 अप्रैल तक 4298 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 24,73,998 लोगों को पाबन्द किये जाने के लिए नोटिस प्रेषित किये गये। इनमें से 19,64,008 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7250 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7325 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 376 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 2892 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 140 केन्द्रों को सीज किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

161.11 लाख का मादक पदार्थ व नकदी जब्त

लखनऊ, 21 अप्रैल (तरुणमित्र)। लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये जाने के लिए पुलिस और प्रवर्तन एजेंसिया व उड़नदस्ता टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत 20 अप्रैल को कुल 161.11 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 36.62 लाख रुपये नकद धनराशि, 76.23 लाख रुपये कीमत की 27944.02 लीटर शराब, 46.08 लाख रुपये कीमत की 58338.65 ग्राम ड्रग एवं 2.10 लाख रुपये कीमत की 2730 ग्राम बहुमूल्य धातुएं व 0.08 लाख रुपये कीमत की 65 अन्य सामग्री जब्त की गयी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 20 अप्रैल तक कुल 31537.07 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किये गये। इसमें 2963.79 लाख रुपये नकद धनराशि, 4137.59 लाख रुपये कीमत की शराब, 21121.15 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 2158.15 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.38 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

प्रभावी क्रियान्वयन में हटाये जा रहे पोस्टर, बैनर व अन्य प्रचार सामग्री

ब्यूरो प्रमुख

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 1,11,23,581 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 67,57,448 तथा निजी स्थानों से 43,66,133 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 7,33,359, पोस्टर के 31,46,851, बैनर के 19,11,044 एवं अन्य 9,66,194 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार निजी स्थानों में से वालराइटिंग के 5,83,970, पोस्टर के 20,00,730 बैनर के 10,71,545 एवं अन्य 7,09,888 मामलों में कार्यवाही की गयी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

Worried over dip in voting, EC plans to boost turnout

Bharti.Jain@timesgroup.com

New Delhi: Concerned over the drop of nearly three percentage points in overall voter turnout in the first phase of Lok Sabha elections this year as compared to 2019, with the decline recorded in 19 of the 21 states and Union territories that voted on Friday, the Election Commission will be making a mid-poll correction in its strategy to boost turnout.

Though the polling percentage has inched up since Friday as more reports from remote polling stations came in — with the latest figure now 66% and expected to rise further by at least 0.1-0.2 percentage points — it is still way short of the 69.2% turnout recorded in 2019 for the same 102 constituencies where polling has been completed.

DANCE of DEMOCRACY

▶ Full coverage, P 8, 10

PHASE 1 POLLING

Fig in %	2019	2024
Lakshadweep	85.1	84.1
West Bengal	84.7	81.9
Tripura	81.7	81.5
Sikkim	78.6	79.9
Puducherry	81.2	78.9
Assam	79.2	78.2
Meghalaya	71.4	76.6
Arunachal Pradesh	78.5	75.6
Manipur	82.8	75.2
Tamil Nadu	72.1	69.7
Chhattisgarh	66	68.3
J&K	70.2	68.3
MP	74.9	67.7
A&N Islands	65.1	64.1
Maharashtra	63.8	63.7
UP	66.5	61.1
Nagaland	83	57.7
Rajasthan	63.7	57.6
Uttarakhand	61.5	57.2
Mizoram	63.1	56.9
Bihar	53.5	49.3
OVERALL TURNOUT	69.2%	66%

Source: Election Commission

Conceding that the EC "is very concerned about the dip in turnout", one of its senior functionaries said that voter enthusiasm, though apparent, was not enough to bring them to the polling stations. "EC had made tremendous efforts to push up turnout. There were targeted interventions like the turnout implementation plan (TIP) under the Systematic Voter Education and Electoral Participation Program (SVEEP), voting appeals by celebrities roped in as EC ambassadors, tie up with BCCI to use IPL as a platform to motivate voters and improving polling booth facilities to make voting a pleasant experience, but they seem to have fallen short," said the EC functionary.

As per sources, the possible reasons for lower turnout may be the summer heat; apathy caused by many voters perceiving the result to be a foregone conclusion; and a clash with the festival, wedding season.

Bihar recorded the lowest turnout at 49.2%; even if this did not take the EC by surprise as the poll covered a Left-wing extremism-affected area, the corresponding turnout in 2019 was higher at 53.5%. UP too saw the turnout slip to 61.1% from 66.5%.

The two states where polling has been completed — Tamil Nadu and Uttarakhand — saw the turnouts going south as well. In Tamil Nadu, it fell to 69.7% to 72.1% despite the big-ticket campaign that saw DMK and BJP trading barbs over the controversial 'sanatan dharma' comment by Tamil Nadu minister Udhayanidhi Stalin. Uttarakhand too saw lesser voter enthusiasm, with the turnout there dipping to 57.2% from 61.5% in 2019.

West Bengal, which has been a high-turnout state, saw an impressive turnout at 81.9% but even this was less than the 2019 figure of 84.7%.

EC sources said it is difficult to identify the category of voters who may have contributed to the lower turnout. "We do not profile the voters and count them as separate categories. The only solution is to encourage and mobilise all the categories with tailored interventions to shun apathy and be counted," said an EC official.

The commission is expected to come out with revised turnout-boosting strategies before the next round of polling gets under way on April 26.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान टाइम्स लखनऊ दिनांक 23 APR 2024

Urban apathy? Metros grapple with poor turnouts

Manoj Sharma
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: India's major cities, often celebrated as vibrant hubs of diversity and progress, have consistently grappled with record-low voter turnouts across municipal, assembly and parliamentary elections. According to data from the Election Commission, a staggering 17 out of the 50 Lok Sabha constituencies with the lowest voter turnout nationwide in the 2019 elections were located in metropolitan cities or major urban centres.

Hyderabad, with a mere 44.84% voter turnout, ranked fourth on the list, trailing behind Anantnag, Srinagar and Baramulla, which had the lowest voter turnout percentages at 8.98, 14.43 and 34.60%, respectively. Other major cities, including Pune (49.89%), Mumbai South (51%) and Bangalore South (53.70%), also found themselves on this disconcerting list. Even cities like Kanpur, Allahabad, Lucknow and Nagpur failed to surpass the 55% mark in voter participation.

Although parliamentary constituencies of Chennai and Delhi do not feature in the lowest list, New Delhi's voter turnout — 56.87% — was hardly noteworthy. But this year, Chennai, which has gone to polls for the ongoing Lok Sabha elections, showed it too suffered from the same problem. On April 19, Chennai's three Lok Sabha constituencies recorded a lower turnout than in the previous three Lok Sabha elections. Chennai Central registered the lowest at 53.91%, against 58.75% in 2019.

Earlier in April, the Election Commission of India held a first-of-its-kind "Conference on Low Voter Turnout" with municipal commissioners from various cities, urging them to spearhead a movement aimed at motivating urban voters and instilling a renewed sense of civic duty.

Ronald Rose, the commissioner of the Greater Hyderabad Municipal Corporation and district election officer, has set an ambitious goal of boosting voter turnout in Hyderabad by 10 percentage points. He identified several factors contributing to the city's low voter participation, including general apathy, significant voter mobility due to work commitments, prioritisation of work by daily wage earners despite polling day being a holiday, discrepancies in electoral rolls and the dispersion of family members to different polling booths.

According to data from the Election Commission, 17 out of 50 Lok Sabha seats with the lowest voter turnout in the 2019 elections polls were located in metropolitan cities. AFP

To tackle these challenges head-on, the Greater Hyderabad Municipal Corporation has launched a multifaceted campaign.

"We have identified approximately 2,000 polling booths with a dismal voter turnout of 50% or less," Rose said. "Efforts have been made to address these challenges, including removing ineligible voters from the electoral rolls and relocating thousands of voters to resolve split voter issues."

The corporation's efforts include door-to-door engagement with residents, targeted SMS campaigns using property taxpayer data, signature campaigns and flash mobs at malls to amplify voter awareness. These initiatives align with the Election Commission of India's flagship program for voter education, known as the Systematic Voters' Education and Electoral Participation (SVEEP).

"Municipal teams are on the city streets, knocking on doors, and holding dialogue with communities and industry bodies like FICCI in our pursuit to achieve a ten-percentage point increase in voter turnout," said Rose. However, achieving this goal presents a challenge, considering that the Lok Sabha polls in Hyderabad are scheduled for May 13, amid hot and humid conditions.

In Bengaluru, Tushar Giri Nath, the commissioner of the Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike (BBMP), is leading the charge in voter awareness campaigns. The BBMP has collaborated with IT-BT companies to promote voting awareness among employees and has requested them to provide paid leave on polling day.

"Bengaluru has historically seen low voter turnout during elections, and we are trying to change that by creating a conducive environment through interacting with RWAs, using social media, organizing various events such as Cyclothons, padayatras, two-wheeler and three-wheeler rallies," he said.

Civil society groups and resident welfare associations in Bengaluru are also working diligently to improve voter turnout.

However, experts offer differing perspectives on the root causes of urban voter apathy.

Sudhanshu Kaushik, founder of Young India Foundation, a Delhi-based non-profit dedicated to increasing youth participation in electoral politics, said the major reason behind the low voter turnout in cities like Hyderabad, Pune and Bangalore is that these cities have a significant population of students and young professionals, who are not registered as voters.

Professor Vivek Kumar from Jawaharlal Nehru University attributed it to the middle class having little stake in the government, while Sanjay Kumar, the co-director of Lokniti at the Centre for the Study of Developing Societies, argued that it is the poor working in the informal sector who face challenges in exercising their right to vote due to lack of leave and the inability to forgo a day's wages.

"During our studies, we have found that it is the poor working in the informal sector who are unable to vote as they do not get leave and cannot forgo a day's wages for voting," he said.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 इण्डियन एक्सप्रेस लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

EXPLAINED ELECTIONS

THE STORY OF INDELIBLE INK, A LASTING SYMBOL OF ELECTIONS

RISHIKA SINGH
NEW DELHI, APRIL 21

AS FRIDAY marked the first phase of the Lok Sabha elections, the classic symbol of Indian polls was under the spotlight again — a left hand with its index finger extended, marked by purple-black indelible ink.

Mysore Paints & Varnish Ltd, owned by the Karnataka government, which is the sole manufacturer of the ink in India, told *DD News* that around 26.5 lakh phials or small bottles (with a capacity of 10 ml each) would be made for this election cycle.

Why is the ink required?

The indelible ink was first manufactured at the Election Commission of India's request by the Council of Scientific & Industrial Research. The MyGov website says, "It was to counter the challenge of fraudulent voting" that research work on formulating the ink began in the 1950s by scientists. Later, the National Research Development Corporation patented it.

Mysore Paints & Varnish Ltd has been licensed to manufacture the ink and has been in the business since 1962. It was established in 1937 by Nalwadi Krishnaraja Wodeyar, the Maharaja of Mysore.

How long has it been in use?

The Representation of the People Act (RoPA) of 1951 mentions the ink. Section 61 states that rules may be made under the Act "for the marking with indelible ink of the thumb or any other finger of every elector who applies for a ballot paper or ballot papers for the purpose of voting at a polling station before delivery of such paper or papers to him."

When ballot papers were the norm, voters had to mark their preference on them. Before the paper was given, a voter's index finger would be marked with the ink.

The RoPA also speaks of rules being formulated "for prohibiting the delivery of any ballot paper" to anyone having a mark.

An ECI report on the first general elections (1951-52) said the ink was applied with a glass rod. A total, 3,89,816 phials were supplied to the states for Rs 2,27,460.

The mark was made on the base of the forefinger until the 1962 general elections, after which it was made above the root of the nail on the skin.

Voters after casting votes for the Lok Sabha polls, in Nagpur, on Friday. *PTI*

DECISION 2024

What makes it indelible?

Indelible ink contains silver nitrate. It is colourless and becomes visible when exposed to ultraviolet light, like sunlight.

At around 20% concentration of silver nitrate, the ink becomes difficult to remove for at least 72 hours after application.

According to MyGov, "This water-based ink also contains a solvent like alcohol to allow its faster drying."

Currently, each phial is sold for Rs 174. The ink is exported to more than 25 countries. However, the procedure of its application varies. "In Cambodia and the Maldives, voters need to dip his/her finger into the ink... in Burkina Faso the ink is applied with a brush, and nozzles are used for its use in Turkey," the website says.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

यूपी : वोटिंग 5% गिरी, लेकिन वोट 3.60 लाख ही कम पड़े

पहले चरण के मतदान में वोटरों में इजाफे के चलते कुल वोटों के आंकड़ों में नही दिखा अधिक अंतर

Premshanker.Mishra
@timesgroup.com

■ लखनऊ : यूपी में पहले चरण का मतदान खत्म हुए दो दिन हो चुके है। सियासी दलो से लेकर विश्लेषको तक मतदान के ट्रेड को लेकर मंथन कर रहे है। पिछली बार के मुकाबले 5% से कम मतदान से किसका नफा-नुकसान होगा, इसके अपने-अपने हिसाब है। हालांकि, पिछली बार के मुकाबले बूथ तक पहुचने वाले वोटरो का हिसाब देखें तो 2019 के मुकाबले यह अंतर महज 3.60 लाख वोटो का ही है। इसके पीछे बड़ी वजह कुल वोटरों की संख्या में इजाफा है।

2019 मे यूपी मे कुल 14.27 करोड़ वोटर थे। इस बार यह संख्या बढ़कर 15.34 करोड़ हो गई है। यानी 5 सालो मे वोटर लिस्ट मे 1.07 करोड़ नए वोटर जुड़े है। यूपी की 80 सीटो पर अगर औसत निकाल जाए तो यह बढ़ोतरी लगभग 1.33 लाख प्रति लोकसभा है। इसलिए मतदान के प्रतिशत में आई गिरावट कुल संख्या मे उतनी नजर नही हो रही है।

पोस्टल बैलट जुड़ने के बाद और घटेगा अंतर

2019 में पहले चरण की इन सीटो पर 66.47% वोट पड़े थे। इसे संख्या मे बदले तो बूथ तक पहुंचने कुल वोटर 91,60,904 थे। इसमें करीब 31 हजार पोस्टल बैलट है। वही, इस बार पहले चरण में 61.11% वोटिंग हुई है। पिछली बार के मुकाबले यह 5.36% कम है। इस चरण मे 1.44 लाख वोटरों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना था। लेकिन इसके मुकाबले 88,00,782 ही मतदान के लिए निकले। यानी इस बार 3,60,122 कम वोटर बूथ तक पहुचे। हालांकि, इसमे पोस्टल बैलट घटा दिए जाएं तो यह अंतर और भी कम नजर आएगा। आयोग के एक अधिकारी के मुताबिक चुनाव के दिन जारी किए जाने वाले वोटिंग प्रतिशत मे पोस्टल बैलट शामिल नही होता है। यह मतगणना के समय खुलता और जुड़ता है। इसलिए पहले चरण के वोटिंग के आंकड़े जो सामने आए है, उसमे पोस्टल बैलट के आंकड़े अभी नही जुड़े है। ऐसे मे पिछली बार के पोस्टल बैलट को हटा दे तो वोटिंग मे कुल अंतर लगभग 3.29 लाख वोटो का ही है।

14.27 करोड़ वोटर थे यूपी मे 2019 मे

1.07 करोड़ वोटर बढ़े है इस बार

7.49% कुल वोटरो मे हुआ इजाफा

यूपी में पहले चरण का मतदान(% में)

सीट	2024	2019
बिजनौर	58.73	66.06
नगीना	60.75	63.50
मुजफ्फरनगर	59.13	68.20
सहारनपुर	66.14	70.75
मुरादाबाद	62.18	65.42
कैराना	62.46	67.44
रामपुर	55.85	63.17
पीलीभीत	63.11	67.24
कुल वोटिंग	61.11	66.47

रामपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में चिंता

2019 के मुकाबले सबसे कम वोटिंग रामपुर, बिजनौर और मुजफ्फरनगर मे हुई है। रामपुर की सियासी मैदान से इस बार आजम खां सजायाफ्ता होने के चलते बाहर है। इसका असर यहां की वोटिंग पर भी दिखा है। लगभग 8% कम वोट पड़े है। सबसे कम वोटिंग इस लोकसभा की रामपुर विधानसभा मे ही हुई है जिसकी नुमाइंदगी आजम खां करते थे। इसी तरह बिजनौर मे भी लगभग 8% वोटिंग घटी है। वही, ठाकुरो की नाराजगी के सेंटर रहे मुजफ्फरनगर मे पिछली बार के मुकाबले 9% कम वोट पड़े है। सबसे कम मतदान ठाकुर बहुल विधानसभा सरधना मे हुआ है। कैराना मे भी वोटिंग मे 5% की गिरावट आई है। विपक्ष इस ट्रेड मे सत्तारूढ़ दल के वोटरो की उदासीनता और अपने वोटरो की बूथ पर सक्रियता देख रहा है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल के दावे भी कुछ इसी तरह के है। महिला वोटरो का रुख भी मुरादाबाद, नगीना व बिजनौर मे असर दिखाएगा। नगीना की सभी विधानसभाओ मे महिलाओ का वोटिंग प्रतिशत पुरुषो से अधिक है जबकि बिजनौर व मुरादाबाद की भी कुछ विधानसभाओ मे महिलाओ ने बढ़त बनाई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

प्रशिक्षण में गैरहाजिर 38 अधिकारियों के खिलाफ FIR

■ एनबीटी, बाराबंकी: जीआईसी ऑडिटोरियम व जीजीआईसी में चल रहे मतदान कर्मचारियों के प्रशिक्षण के तीसरे दिन रविवार को 39 अधिकारी गैर हाजिर रहे। इनके खिलाफ डीएम सत्येंद्र कुमार झा ने मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिए हैं।

जीआईसी ऑडिटोरियम और जीजीआईसी में मतदान कर्मचारियों के प्रशिक्षण का तीसरा दिन

पीडी डीआरडीए मनीष कुमार ने बताया कि रविवार को 600-600 मतदान अधिकारी प्रथम व पीठासीन अधिकारियों का प्रशिक्षण होना था। इसमें बेसिक शिक्षा विभाग के 13, जिला पंचायत के एक, स्वास्थ्य विभाग के चार, खाद्य व विपणन के एक, बाढ़ कार्य खंड के एक, एलडीएम के अधीन एक, माध्यमिक शिक्षा के नौ, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के एक, चकबंदी के एक, पशुपालन विभाग के तीन, उपकृषि निदेशक के एक व कृषि विभाग का एक कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए। इनके खिलाफ एफआईआर कराई जा रहीं है। इस दौरान जीआईसी ऑडिटोरियम में अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया और जीजीआईसी में ईवीएम व वीवीपैट संचालन की जानकारी दी गई।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

पहले चरण में आठ सीटों पर 61.11% मतदान

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: पहले चरण की आठ लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को हुए मतदान में 0.86% वोट और बढ़ गए हैं। चुनाव आयोग की ओर से जारी मतदान के अंतिम आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 61.11% हुआ है।

शुक्रवार की रात मतदान के जो अनंतिम आंकड़े दिए गए थे उसके अनुसार 60.25 प्रतिशत मतदान बताया गया था। सर्वाधिक 66.14 प्रतिशत मतदान सहारनपुर में हुआ है। रामपुर में सबसे कम 55.85 प्रतिशत वोट पड़े हैं। बिजनौर में 58.73, कैराना में 62.46, मुरादाबाद में 62.18, मुजफ्फरनगर में 59.13, नगीना में 60.75 व पीलीभीत में 63.11 प्रतिशत मतदान हुआ है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इन आठ सीटों पर 66.41 प्रतिशत मतदान हुआ था। इससे स्पष्ट है कि इस बार के चुनाव में पिछले लोकसभा चुनाव से कम मतदान हुआ है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० आज लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

आबकारी टीम की कई जगहों पर दबिश व छापेमारी

पकड़े गए कई, भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर आबकारी विभाग की चल रही छापेमारी में राजधानी के कई स्थानों से अवैध शराब बरामद हुई।आबकारी टीमों ने कड़ी कार्रवाई भी की है। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान में आज रविवार को आबकारी निरीक्षक सेक्टर एक कीर्ति पाण्डेय में अपने मातहतों के साथ संदिग्ध स्थानों पर दबिश और छापेमारी की इस दौरान उन्होंने थाना मदेयगंज अन्तर्गत डालीगंज क्रॉसिंग के पास से दबिश देकर सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय परमेश्वर दीन, निवासी शिवलोक त्रिवेणी नगर निराला नगर को अवैध देशी शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया गया। मौके से विण्डीज ब्राण्ड की 24 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुई। पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध थाना मदेयगंज में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 लक्ष्मी शंकर बाजपेई ने नगराम थाना क्षेत्र के ग्राम भज्जाखेड़ा और छोटीखेड़ा में संदिग्ध घरों और खेतों तथा बगीचों एवं तालाबों के किनारे के संदिग्ध स्थानों पर दबिश देकर छापेमारी की। इस दौरान मौके से लगभग 45 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की तथा 450 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर आबकारी अधिनियम के तहत दो मुकदमें दर्ज किए इसके अलावा अपराध निरोधक सेक्टर-सात व सेक्टर-आठ की संयुक्त टीम ने विजय कुमार शुक्ल आबकारी निरीक्षक के नेतृत्व मे थाना हुसैनगंज व थाना नाका अंतर्गत चारबाग क्षेत्र में संदिग्ध परचून दुकानों और ठेलों एवं स्टेशन से लगे अन्य संदिग्ध स्थानों पर दबिश देकर छापेमारी की। इस दौरान पैदल गश्त कर टीम ने हुए क्षेत्र की गतिविधियों का जायज़ा लिया। टीम ने मौके से विदेशी मदिरा रॉयल स्टैग ब्रांड के पाँच अद्धे और ऑफिसर्स च्वाइस ब्रांड का एक पौवा कुल 2.055 लीटर शराब बरामद किया टीम ने दो मुकदमे दर्ज कर एक महिला आरोपी आरती पत्नी विनोद को मौके से गिरफ्तार किया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

चुनाव के कानूनी मामलों पर हुई चर्चा

■ एनबीटी सं, लखनऊः अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत की ओर से आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल में रविवार को चुनाव और कानूनी मामलों पर चर्चा हुई। इसमें पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त राजेंद्र भोनवाल ने पीपल रिप्रेजेंटिटव ऐक्ट के बारे में बताया तो परिषद अध्यक्ष ओपी श्रीवास्तव ने इलेक्शन पेटिशन और इसके तकनीकी पहलुओं के बारे में बताया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स लखनऊ ..... दिनांक 22 APR 2024

'वोटर टर्न आउट' से चरण दर चरण रिपोर्ट

निर्वाचन आयोग के मोबाइल ऐप 'वोटर टर्न आउट' के जरिए मतदान के दौरान हर दो घंटे पर पड़े वोटों की जानकारी हासिल की जा सकती है। यह ऐप रिटर्निंग अधिकारी की तरफ से अपलोड डेटा का इस्तेमाल कर सूचनाएं देता है। ऐप के जरिए हर दो घंटे पर चरण-दर-चरण रिपोर्ट हासिल की जा सकती है। -सूर्य पाल गंगवार, जिला निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० आज लखनऊ ..... दिनांक 22 APR 2024

मतदान की शपथ दिलायी

लखनऊ। लोक सभा निर्वाचन के अंतर्गत राजधानी में 20 मई को मतदान की तिथि निर्धारित है। निर्वाचन में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से न्यूनतम 70 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने को लेकर मतदाताओं को जागरुक किए जाने के लिए नगर निगम की ओर से विभिन्न गतिविधियों यथा चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......दै०राष्ट्रीय सहारा लखनऊ...... दिनांक 12 APR 2024

'यूथ' को 'बूथ' तक पहुंचाने की रणनीति में जुटे दल

■ 21 प्रतिशत से अधिक है 30 साल तक के वोटरों की संख्या

■ जीत-हार से बदल सकते हैं प्रत्याशियों का भाग्य

■ पार्टियों ने अपने-अपने घोषणा पत्रों में भी युवाओं के लिए की हैं लुभावनी योजनाओं की घोषणा

■ रवीन्द्र प्रताप सिंह

लखनऊ। एसएनबी

चुनावों में 'यूथ' की भूमिका धीरे-धीरे महत्वपूर्ण होती जा रही है। युवाओं ने देश व प्रदेश की राजनीति करने वालों को अपनी ताकत का एहसास भी करा दिया है। इन युवाओं की भूमिका राजनीति में इस तरह बढ़ती जा रही है कि वह प्रत्याशियों के भाग्य को जीत-हार में बदल सकते हैं। ऐसे में कोई चुनाव आते ही सभी राजनीतिक दलों की निगाहें इन युवाओं पर टिकी रहती हैं। इन दलों की न सिर्फ यह कोशिश होती है कि उन्हें वह अपनी तरफ मोड़ें बल्कि पूरा प्रयास इस बात पर होता है कि उन्हें बूथों तक कैसे पहुंचाया जाए।

प्रदेश में युवा मतदाताओं की भागीदारी लगभग 21 प्रतिशत हो गयी हैं। इसमें 18 से 29 साल के ही युवा शामिल हैं। यदि 39 साल तक के युवाओं को भी शामिल कर लिया जाए तो इनकी संख्या 48 प्रतिशत से भी अधिक हो जाती है। ऐसे में राजनीतिक दल भी इन युवाओं को काफी महत्व देने लगे हैं। पार्टियों ने टिकट वितरण में भी युवाओं की भागीदारी बढ़ानी शुरू कर दी है तो वहीं अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी युवाओं के लिए लुभावने वादों को शामिल करते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग की ओर से जो मतदाता सूची तैयार की गयी है उसमें अब प्रदेश में युवाओं की संख्या कुल मतदाताओं में 48.55 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गयी है।

सूची प्रकाशन के बाद प्रदेश 80 लोकसभा सीटों के अन्तर्गत आने वाली 403 विधानसभा सीटों पर 153974846 मतदाता हो गये हैं। इनमें 81983705 पुरुष मतदाता, 71984530 महिला मतदाता व 6611 थर्ड जेण्डर के मतदाता शामिल हैं। इन मतदाताओं में देखा जाए तो 23 लाख 31 हजार 486 मतदाता सिर्फ 18 से 19 साल के हैं। इनके नाम पहली बार मतदाता सूची में शामिल किये गये हैं और यह पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके साथ ही 20 से 29 साल के मतदाताओं की संख्या तीन करोड़ दो लाख 35 हजार 348 है। जो कुल मतदाता का 19.63 प्रतिशत हैं। इसी तरह 30 साल से 39 साल तक मतदाताओं की संख्या चार करोड़ 22 लाख 15 हजार 242 है। जो कुल मतदाताओं का लगभग 27.41 प्रतिशत है। ऐसे में यदि 18 से 39 साल तक के मतदाताओं को शामिल कर दिया जाए तो इनकी संख्या सात करोड़ 47 लाख 82 हजार 76 हो जाती है। ऐसे में यह युवा किसी भी दल को सत्ता तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस उम्र के ऊपर के सभी मतदाताओं को भी शामिल कर दिया जाए तो वह लगभग इनके बराबर ही पहुंच पाते हैं। इसके साथ ही यह भी माना जाता है कि ज्यादा उम्र के लोगों को मतदान के प्रति भी पूरा रुझान नहीं होता है जबकि यूथ में अपने मताधिकार को लेकर काफी उत्साह होता है। इस बार के होने वाले चुनावों में भी राजनीतिक दलों ने युवा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हथकण्डे शुरू कर दिये हैं। अभी तक जितनी भी राजनीतिक पार्टियों ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है उसमें उनके द्वारा युवाओं को रिझाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवाओं की सबसे बड़ी बेरोजगारी की समस्या को सत्ता में आते ही हल करने का दावा लगभग चुनाव मैदान में उतरी सभी पार्टियां करने में जुटी हैं। कुछ पार्टियों ने तो अपना रोडमैप भी युवाओं के बीच लाने शुरू कर दिये हैं। अपने बयानों में भी यह पार्टियां सबसे ज्यादा चिन्ता यूथ की ही करती दिखती हैं। इसमें बेरोजगारी, शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा आदि मुद्दों पर जमकर चर्चा की जाती है।

मतदाता सूची प्रकाशन के बाद प्रदेश में मतदाताओं की स्थिति

उम्र	मतदाताओं की संख्या	कुल मतदाताओं में प्रतिशत
18-19	2331486	1.51
20-29	30235348	19.63
30-39	42215242	27.41
40-49	31476855	20.44
50-59	24041869	15.61
60-69	14356680	9.32
70-79	6949057	4.51
80 से ऊपर	2368309	1.53

केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सहित बहुजन समाज पार्टी तथा इण्डिया गठबन्धन की प्रमुख पार्टी कांग्रेस व समाजवादी पार्टी सहित अन्य दल आम मतदाताओं के साथ ही युवाओं पर विशेष फोकस करते दिख रहे हैं। इस तरह सभी राजनीतिक दल किसान, व्यापारी, कर्मचारी के साथ ही युवाओं को भी विशेष प्राथमिकता देने में जुटे हैं और वह युवाओं के मुद्दों को लेकर अपनी बयानबाजी कर रहे हैं। हालांकि कुछ पार्टियां बीते चुनावों में भी उनके लिए लुभावने वादे कर चुकी हैं और उन वादों के सहारे सत्ता सुख तक प्राप्त कर चुकी हैं।

पार्टियों का यह भी प्रयास है कि युवाओं को अपने पक्ष में करने के साथ ही उन्हें मतदान केन्द्रों तक कैसे पहुंचाया जाए। इस पर कसरत शुरू हो गयी है। पार्टियों का मानना है कि यदि युवा मतदाताओं को वह रिझाने में कामयाब हो गयीं तो उन्हें सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक 22 APR 2024

दै०राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

मतदान के लिए जागरूकता अभियान

लखनऊ। रविवार को इंदिरा नगर आवासीय महासमिति ने अपने दूसरे चरण में लोकतंत्र की मजबूती के लिए बंधु पार्क सेक्टर 10 इंदिरानगर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। महासमिति के महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने बताया कि शत प्रतिशत मतदान के लिए आज दूसरे चरण में बंधु पार्क में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। उन्होंने प्रातः टहलने वाली महिला तथा पुरुष को वोटिंग के लिए जागरुक करते हुए अपील की गई कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए अच्छे प्रतिनिधि को अवश्य चुने जो समाज के सभी तत्वों की रक्षा कर सके। इस दौरान अध्यक्ष देवी, शरण त्रिपाठी, सुभाष शर्मा, वशिष्ठ शुक्ला, राजेंद्र श्रीवास्तव, महेश वाल्मीकि, दीपक उपाध्याय, सुरेश पाण्डेय, पी.के जैन मौजूद थे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० आज लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

व्यय प्रेक्षक टी. सेंथिल मुरूगन ने किया महसी क्षेत्र का भ्रमण

बहराइच। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र-56 बहराइच (अ.जा.) के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक टी. सेंथिल मुरूगन ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र महसी का भ्रमण कर क्षेत्र में तैनात फ्लाईंग स्क्वायड टीम तथा एस.एस.टी. बैरियर्स का निरीक्षण कर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता / निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य की जा रही कार्यवाही की बाबत जानकारी प्राप्त की। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र महसी के भ्रमण के दौरान व्यय प्रेक्षक श्री गुरूगन ने रामगांव चौराहा पर मौजूद स्टैटिक सर्विलांस टीम के मुखिया प्रशान्त गौड से टीम गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया सतर्कता बनाये रखें। इसके पश्चात राजी चौराहा पर मौजूद फ्लाईंग स्क्वायड टीम के मुखिया हरिभान सिंह से जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि वाहनों की चेंकिंग का ब्यौरा पंजिका में दर्ज किया जाय। व्यय प्रेक्षक ने निर्देश दिया कि वाहन चालक का विवरण भी प्राप्त किया जाय तथा वाहन कहां से कहां को जा रहा है तथा यात्रा के उद्देश्य के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जाय। व्यय प्रेक्षक ने महाराजगंज व चाहलारीघाट पर मौजूद फ्लाईंग स्क्वायड टीम तथा रमपुरवा व खैराबाज़ार में एसएसटी की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिया कि सभी टीमें मुस्तैदी के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गयी मानक प्रचालन प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित कराएं व्यय प्रेक्षक के क्षेत्र भ्रमण की विशेषता यह रही है कि निरीक्षण के दौरान फ्लाईंग स्क्वायड तथा स्टैटिक सर्विलांस टीम के सदस्यों को सुझाव दिया कि शुष्क मौसम व हीट वेव को देखते हुए अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें। टीम के सदस्यों को प्रेक्षक ने सुझाव दिया कि ड्यूटी करते समय अपने पास पानी अवश्यक रखें तथा जहां तक संभव हो सर को भी ढक कर रखें। इस अवसर पर व्यय प्रेक्षक के लाईज़न आफिसर/जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह मौजूद रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० आज लखनऊ ..... दिनांक ..... 22 APR 2024

राजनाथ सिह 29 अप्रैल को नामांकन करेंगे दाखिल

लखनऊ। लखनऊ लोकसभा से भाजपा के सांसद पद प्रत्याशी राजनाथ सिंह 29 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे। यह जानकारी महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने दी। उन्होने बताया कि नामांकन में शामिल होने के लिये मंत्री, महापौर, विधायक व पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकता प्रदेश मुख्यालय हजरतगंज पर प्रात 10 बजे से एकत्रित होंगे। यहां से राजनाथ सिंह पार्टी रथ पर सवार होकर विशाल जनसमूह के साथ कलेक्ट्रेट की ओर प्रस्थान करेंगे तथा वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी में नामांकन करेंगे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० इण्डियन एक्सप्रेस, लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

SP MLA booked for 'abusive' remark against BJP's Bareilly candidate

EXPRESS NEWS SERVICE
LUCKNOW, APRIL 21

AN FIR has been registered against Samajwadi Party MLA Attaur Rahman on charges of making "verbally abusive" remarks against Chhatrapal Gangwar, the BJP's Lok Sabha candidate from Bareilly, his nephew during a public meeting, police said.

Rahman represents the Baheri assembly seat in Bareilly district.

The case was registered under Sections 153-A (promoting enmity between groups), 505 (statements conducing to public mischief), and 500 (punishment for defamation) of the Indian Penal Code at the Kotwali police station in Bareilly on Saturday based on a complaint filed by Jitendra Kumar, a local resident who claimed to be a BJP worker.

Dinesh Kumar Sharma, Station House Officer (SHO), Kotwali police station, said the complainant claimed to be in possession of a video clip with the MLA's remarks against Gangwar and his nephew. "We have asked the complainant to provide us with the video. Once we examine the footage, we can ascertain whether the MLA indeed made the abusive comments mentioned in the FIR," said the SHO.

If the allegations were found to be true, the next course of action would be taken, he added.

According to the police, Jitendra alleges that the SP MLA termed Gangwar and his nephew as robbers during an address at Nehru Yuva Kendra on April 16. The complainant also accused the legislator of accusing Chhatrapal and his nephew of extorting money from businessmen and land-grabbing and declaring his intentions to rid Bareilly of them, the police.

Also, attempts were made through the speech to stoke religious tension and disrupt communal harmony, the complainant claimed.

SP WORKER HELD FOR DEROGATORY POST ON DEATH OF BJP'S MORADABAD CANDIDATE

Bijnor: Police in Bijnor on Sunday arrested a Samajwadi Party supporter for making a derogatory remark on the death of Kunwar Sarvesh Kumar, BJP's Lok Sabha candidate from Moradabad, officials said.

SHO of Kotwali police station Sushil Saini said Faizan, a resident of Bijnor, had uploaded a post on social media with praised for the Moradabad SP candidate and a derogatory remark on the death of Kumar.

The SHO said a case was registered against Faizan under Section 505(2) (statements creating or promoting enmity, hatred or ill-will between classes) of the Indian Penal Code and relevant sections of the Information Technology Act.

The Samajwadi Party has fielded Ruchi Veera from Moradabad in the Lok Sabha elections.

The BJP candidate from the seat, who was unwell for some time, died at Delhi's All India Institute of Medical Sciences on Saturday, according to a senior party leader.

Kumar was 72. PTI

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

22 APR 2024

समाचार पत्र का नाम ..... दिनांक .....

द० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ

SP man booked for remark on poll candidate's death

Police registered an FIR against Samajwadi Party (SP) member Faizan Malik for allegedly making an indecent remark on late Moradabad Lok Sabha candidate from BJP, Kunwar Sarvesh Singh. The action was taken after BJP functionary Anshul Rajput filed a complaint against Malik at Kotwali city police station in Bijnor. In his complaint, Rajput stated that Malik celebrated Kunwar's death and posted a derogatory remark against him on social media platforms, allegedly saying 'The lioness hunted a wolf.' Locals "perceived the remark relating to SP candidate Ruchi Veera". Bijnor circle officer (CO) Sangram Singh said, "Police registered a case against Faizan Malik under IPC sections 505 and 66 b of the IT Act. The accused was arrested and sent to jail under judicial custody. A probe is under way." Kunwar Sarvesh Singh, who was unwell for some time, died at AIIMS, Delhi, on Saturday. TNN

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

Row over BJP nominee's age discrepancy in poll affidavits

Deepak.Lavania
@timesgroup.com

Agra: A controversy erupted in Firozabad about age discrepancies in poll affidavits of Thakur Vishwadeep Singh, BJP candidate from Firozabad, who allegedly aged by 15 years in a decade between 2014 and 2024.

In his latest election affidavit submitted on April 18, Singh claims he is 75 years old. However, the affidavit from 2014 indicated his age as 60.

SP district president, Shivraj Singh, said, "We raised the issue of the wrong information given in the affidavit by BJP candidate. We have sought cancellation of his nomination," Shivraj Singh said.

On Saturday, EC officials heard arguments from both sides and ruled in Singh's favour, accepting his age as 75 . Singh's lawyers, Rajesh Kumar Kulshrestha and Alok Kulshrestha, dismissed the dispute as an attempt to create controversy.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

Before take-off, UP's 'airport town' gets ready for voting day on Apr 26

Aditya Dev & Ayantika Pal | TNN

Now in the final six months of its construction, Noida International Airport looks like a giant colony of cranes that sits on a glistening bed of golden wheat crop, their stalks dense with pods swaying lithely in the breeze. It's quite the contrast to the mechanical swings of towering cranes in the background, working night and day to give shape to what will be the airport's first phase, the kernel of an ambitious development target set by the state, which wants to see it grow into Asia's largest airport by the end of the concession period in 2040.

Yogesh Kumar

At present, the roads leading to and from the Jewar airport area are typical of villages, narrow, dusty and congested

Jewar, a large rural block that had no claim to fame, is today known across the country as an airport town – though not the official name, 'Jewar airport' is an identity that has stuck – with BJP pitching it as one of the symbols of its delivery of big infrastructure. Along with other headline projects tagged to it like Film City, recently handed over to Bollywood producer Boney Kapoor, and industrial parks, BJP highlights the shift from a past marred by riots and "forced migrations" to a present that has opened the floodgates for development.

▶Transformation, P 4

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

Jewar underwent major transformation between two LS polls buts gaps remain

▶Continued from P 1

As Jewar, which is part of Gautam Budh Nagar constituency, prepares to vote on April 26, the five years between two Lok Sabha elections have seen quite a difference. In 2019, all of Jewar was farmland, dotted with villages. Today, on 1,300 hectares of land where farms and six villages stood is a runway, an air traffic control tower and a terminal building nearing completion. By year-end, the first flight could take off from here.

Beyond the perimeter wall, which marks the airport's radius and has a total span of 17km, a perpetual haze of dust envelops the sky, highlighting relentless pace of activity as over 8,000 workers press on with their tasks. The pace of development outside the boundary wall, however, has not been as dramatic. When it starts, NIA will be one of India's most modern airports, but operating from a predominantly rural area.

At present, the roads leading to and from the airport area are typical of villages, narrow, dusty and congested. Changes in the character of the place have begun to show, but only along the Yamuna Expressway, which connects Greater Noida and Agra, with sleek corporate and IT buildings coming up on either side.

Land prices on song

YEIDA has chalked out a plan to acquire at least 5,000 hectares of land in the area in the coming years for various development and industrial projects. Propelled by the airport, clusters for manufacturing industries like Apparel Park, Handicraft Park and Toy Park have been planned. Sify Infinite Spaces and Jackson Ltd have been allocated five acres of land to establish data centres.

The airport has already made a significant impact on real estate values. Land prices have soared, with parcels that once sold for Rs 5 lakh now commanding prices between Rs 40-50 lakh, especially in areas like Bulandshahr road, Jhajjar road and Tirthali, which lie close to the airport. Rinku Goyal, who owns a hardware shop near Jewar tehsil, said Jewar has many positives to look at. "Development is taking place rapidly here, with facilities like electricity, water and roads improving.

YEIDA Industrial area in Sector-28, Jewar

The price of land, which previously had very little value, is skyrocketing. Employment for youths will increase in the coming days," he said.

BJP is bullish

In projects planned around the airport, BJP sees the foundations of a large future city as Noida expands eastwards, the carousel of development expected to move down the Yamuna Expressway as the Noida Expressway region saturates. In the 2022 assembly polls that BJP won comfortably, keeping a hold on a majority of seats in west UP, the party's emphasis on development yielded dividends. With the airport, which was launched by Prime Minister Narendra Modi, expected to be unveiled this year, it expects the momentum to continue.

> **In 2017, I said the kind of development expected in Jewar had not happened and vowed to build the airport. The airport will not only attract investment but also boost UP's economy by Rs 1 lakh crore in the coming years**
>
> **YOGI ADITYANATH**
> Chief Minister, Uttar Pradesh

Addressing a Prabuddh Sammelan earlier this month in Gautam Budh Nagar, chief minister Yogi Adityanath urged people to vote for BJP candidate and two-time MP Mahesh Sharma, citing the developments in the area. "Today, investments are flowing into the state. Before 2017 (the year BJP came to office in UP), people feared the name of Jewar due to farmers' agitation and other reasons. In 2017, I said the kind of development expected in Jewar had not happened and vowed to build the airport. The airport will not only attract investment but also boost UP's economy by Rs 1 lakh crore in the coming years," the CM said.

BJP is also taking credit for a hike in the land compensation rate to those whose land is being acquired for the airport to Rs 3,100 per sqm from Rs 2,300 per sqm before Feb 2023.

Cash in, but jobs?

Sharma is right about the money, but that's only a part of the story. So far, the state govt has paid Rs 4,300 crore as land compensation for the first and second phases (the latter an ongoing process, for a mirror image expansion of the terminal and to build a second runway). In the first phase, the family that got the highest compensation laughed all the way to the bank, taking home Rs 12.2 crore. But since compensation depends on the landholding, the fattest cheques went to a handful of big landowners. Only 2.6% of farmers in the acquired villages had more than 50 bigha land. Most had between one and 10 bigha (39.6%) or less than a bigha (33.9%). The lowest compensation was a few thousand.

So, with costs rising but farmland – from which an income came – gone, the general concern in the Jewar villages anticipating a windfall from the airport is of earning a livelihood. Some of the compensation money lies parked in banks, some has gone into investing in land to capitalise on rising prices while people wait for the economic boom from the airport that BJP talks about.

Protest & boycott call

Villagers of Ranhera and Kuraib, among others, have announced their intention to boycott the elections, citing unfulfilled promises. These are locals with whom the govt is negotiating for land for the second phase of the airport. The govt needs 1,365 hectares, of which 1,181 hectares belongs to farmers from Karauli Bangar, Dayanatpur, Kuraib, Ranhera, Mudharh and Beerampur.

Posters saying "mangein puri nahin to, visthapan nahi" (If demands are not met, we are not ready for displacement) have been put up in streets, shops and outside homes. Some have got it printed on T shirts. "We put up these posters out of frustration. We met every official and staged dharnas, but our demands went unheard," said Subedar Ram Sharan Singh (retd). "One of the main demands is that apart from plots to build houses, there should be space to keep cattle. The size of the 50 square metre plot govt is giving to one child in the family (who is 18 or above) should be 100 sqm. Most people in our villages had voted for BJP, but this time, we will boycott the elections. Neither the MP nor the MLA has come to meet us."

Oppn's pitch

Opposition candidates – Mahendra Nagar of SP (INDIA bloc) and BSP's Rajendra Singh Solanki – argue BJP's talk of development whitewashes these concerns, accusing the party of failing to protect the interests of locals in Jewar in pushing for the airport. They have promised them a better compensation package, which includes jobs, if elected.

Nagar said, "This is an anti-farmer govt," Nagar said. "The demands being raised by farmers are valid. Govt has not managed their rehabilitation properly but is in a hurry to acquire land. Measures have to be taken for their welfare first."

BSP is promising reservation for locals. "We are with farmers who have given up their ancestral homes but have not been made stakeholders in the process," Solanki said.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

No more bullet echo, it's raining rhymes in dacoit-infested belt

KapilDixit@timesgroup.com

Prayagraj: In a paradigm shift, the narrative in the dacoit-infested belt of Chitrakoot this Lok Sabha election, has shifted to books from bullets, with none other than the cops conducting 'Patha Ki Police Pathshala' for the unprivileged kids in areas such as Markundi, Manikpur, and Bahilpurwa.

In areas which used to echo with bullets from the 1970s till 2018, these kids are attending schools, singing rhymes and learning tables, courtesy the men-in-khaki, who in their new role are approaching parents and guardians to send their children to schools.

"After the elimination of major bandit gangs, cops are working as Mitra Police to win the trust of villagers and are working to promote education," ADG (Prayagraj zone) Bhanu Bhaskar told TOI.

File photos

Cops are conducting 'Patha Ki Police Pathshala' for unprivileged kids in areas such as Markundi, Manikpur, and Bahilpurwa

Insisting that the exercise is a part of community policing, Bhaskar said, "Initially, cops also turned teachers and took classes under 'Patha ki police pathshala'.

Cops ranking from constable to superintendent of police play different roles while organizing a series of jan-chaupals to win the trust of villagers who had maintained a distance from police between 1970 and 2018.

The jan chaupals are organized in dacoit-infested belt in Manikpur, Markundi, and Bahilpurwa localities where dacoits (referred to as baaghi) such as Shiv Kumar alias Dadua, Babuli Kol or Ambika Patel alias Thokia and Gauri Yadav's writ used to run large, till they were eliminated one by one.

After the elimination of bandit gangs, cops faced difficulties in connecting with villagers, who initially maintained distance from police due to various reasons.

"Once the dacoit menace ended in the hilly terrain, the task before us was to help the unprivileged, divasi, and vanvasi people get into the mainstream of the society. Since it was not easy for cops to connect with people there, we thought of wooing them through the promotion of education," claimed Arun Kumar Singh, superintendent of police, Chitrakoot.

With the idea getting acceptance, regular exercises are being taken up now under 'Padega Chitrakoot-Bathega Chitrakoot'.

Apart from education of kids, the cops have also taken help from women volunteers in improving the image of police among women under Mission Shakti campaign.

"Under it, the women policemen knock at the doors at villages and blocks to apprise women about their rights," said a senior cop.

The scheme 'Chuppi Todo-Khulkar Bolo' has also been launched to solve the grievances of women.

To increase voting percentage, cops are also undertaking regular patrolling and awareness initiatives.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......दै० हिन्दुस्तान टाइम्स लखनऊ...... दिनांक 22 APR 2024

ELECTION ECCENTRICS }

Candidates who keep coming back

80% LS candidates in UP lose deposits, show ECI records

K Sandeep Kumar
ksandeep.kumar@livehindusan.com

PRAYAGRAJ: The poll battleground each time has some tenacious independent candidates who resort to unique ways to emerge winners. They, however, end up as the ones who are always in the fight but never actually in the race.

They are not alone in losing polls in big way as Election Commision's data shows the trend that 80% of the candidates contesting the Lok Sabha elections in Uttar Pradesh over the years end up losing even their deposits. Such perennial candidates across the country are often dubbed as 'Dharti Pakad', a term associated with late Kaka Joginder Singh aka Dharti Pakad of Bareilly who during his lifetime contested 300 polls unsuccessfully.

Like him, in UP there is Vinod Kumar Yadav of Chandauli who since 2005 has contested and lost polls right from Gram Pradhan, District Panchayat, Block Development Council to UP Legislative Assembly and Lok Sabha. No different is the story of Chhedu of Kaushambi district who is in his fifties and has contested 11 elections including Vidhan Sabha and Lok Sabha during the last 24 years winning just once on the post of a BDC member in 2002. This door-to-door utensil seller from Taibapur village of Sirathu tehsil in Kaushambi is now preparing to contest Lok Sabha elections-2024 knowing well that he would lose his deposit this time too.

The average of such candidates could be eight out of 10 who end up losing their deposits in every poll held in UP post-Independence, shows the ECI data.

A large number of those who lose their security deposit are independent candidates, though these also include many national, state-level and registered unrecognised party candidates. Security deposit is required to be deposited by the candidates during nomination. This amount is deposited in the government treasury through treasury challans. According to the norms of the Election Commission, the security deposit is confiscated only from those candidates who fail to get more than even one-sixth of the total valid votes cast in the election. Records show that in 2019 Lok Sabha elections, a total of 979 candidates including 195 from national parties, 40 from state level parties, 480 from registered unrecognised parties and 264 independents, were in the fray for 80 Lok Sabha seats in Uttar PRadesh. Of these, 819 (83.65%) candidates lost their deposits and among them 76 were from national parties, one was from a state-level party, 478 from registered unrecognised parties and all 262 were independent candidates.

Elections 2024

IN RACE BUT NEVER IN FIGHT

Year	Candidates	Deposits Forfeited	Percentage
1951	364	176	48.35
1957	292	88	30.13
1962	443	234	52.82
1967	507	296	58.38
1971	543	364	67.03
1977	443	272	61.39
1980	1005	768	76.41
1984	1242	1073	86.39
1989	1087	885	81.41
1991	1605	1393	86.79
1996	3297	3062	92.87
1998	1037	807	77.82
1999	1208	963	79.71
2004	1138	907	79.70
2009	1368	1155	84.42
2014	1288	1087	84.39
2019	979	819	83.65

The situation was more or less similar in the 2014 Lok Sabha elections also.

In this election, a total of 1,288 candidates, including 239 from national parties, 86 from state level parties, 590 from registered unrecognized parties and 373 independents were in the fray for the 80 Lok Sabha seats of the state. Of these, the deposits of 1,087 (84.39%) candidates were lost. Among the 1,087 candidates who lost their deposits, 101 were from national parties, 27 from state level parties while maximum 586 candidates from registered unrecognised parties had their deposits confiscated.

Deposits of 373 independent candidates who contested the elections were also confiscated.

In the 2009 Lok Sabha elections, the security deposit of 1,155 out of 1,368 candidates ie 84.42% was confiscated while in the 2004 Lok Sabha elections, 907 out of 1,138 candidates ie 79.70% percent lost their deposits.

86% across the country had lost their deposits

In the 2019 Lok Sabha elections, a total of 8054 candidates contested from 543 parliamentary seats across the country out of which the deposits of 6,923 were forfeited, which was 85.95% of the total candidates. Of the total 8,054 candidates, 1,454 were from national parties, out of which the deposits of 6,70 were forfeited. Likewise, 50 out of 347 candidates of state level parties and 2,754 out of 2,792 candidates of registered unrecognised parties were not able to save their security deposits. The deposits of 3,449 candidates out of 3,461 who contested the elections as independents were also forfeited.

Highest in 1996, lowest in 1957

Of the 17 general elections held between 1952 and 2019, the 1996 election saw the maximum deposits of 93% of the candidates being forfeited in UP. In this election, a total of 3,297 candidates were in the fray from 80 seats of UP out of which the deposits of 3,062 were forfeited. At the same time, in 1957, the deposits of least, around 30.13% of the candidates were confiscated. There were a total of 292 candidates in that election and the deposits of 88 were forfeited.

Agra's 'perennial' Hasnu Ram

Hemendra Chaturvedi
Hemendra.chaturvedi@htlive.com

AGRA: Hasnu Ram Ambedkari, 79, defies conventional wisdom by persistently contesting elections despite facing defeat in 98 previous attempts since 1985. Unfazed by setbacks, he embarks on his 99th and 100th electoral campaigns for Agra and Fatehpur Sikri seats, driven solely by his passion for electoral participation. His nomination was rejected from Fatehpur Sikri (Agra Rural).

Hasnu Ram Ambedkari purchases nomination papers at the Agra collectorate. HT

Despite his age and recent mobility challenges, Ambedkari remains resolute, symbolizing an unwavering commitment to his democratic rights.

His family, acknowledging his unorthodox pursuit, respects his passion, emphasising his lifelong dedication to his beliefs.

Ambedkari's diverse employment history, from MNREGA worker to clerk, reflects his resourcefulness in funding his candidacies, ensuring independence from family support.

Reflecting on past disappointments, including broken political promises and personal sacrifices, Ambedkari remains undeterred, attributing his resilience to personal conviction rather than electoral success.

As he approaches the symbolic milestone of 100 contests, he acknowledges the uncertainties of fate but remains steadfast in his pursuit of democratic engagement.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

Why adverse climatic condition is no poll issue in Bundelkhand

Arindam.Ghosh
@timesgroup.com

Jhansi: While the scientists have predicted 2024 to be even hotter than the previous year amidst El Nino effect breaking all past records, this isn't anything different for Bundelkhand, a region known for its extreme climatic conditions.

The region has been vulnerable to swift changing climatic conditions making life tough for its inhabitants. For example, the region recently witnessed huge crop damage due to untimely rain and hailstorm followed by damages due to wildfire because of hot winds in a period of a month.

The delayed monsoon to the region makes it difficult for the farmers here to sustain their cattle, forcing them to abandon them – a cruel tradition known as 'annapratha' locally.

During the monsoon months, lightning claims a higher number of lives here as compared to the rest of Uttar Pradesh. Heavy rains result in severe loss of crops.

While the local population deals with these issues every day, surprisingly, these don't figure in the poll campaigns in the region.

Recently, a group of women water warriors, known as 'Jal Saheli', raised the issue from a public platform while demanding it to be on the poll agenda of all the political parties.

Executive director, Centre for Science and Environment, Anumita Roychowdhury, says, "Local signs of worsening climate impacts are already starkly evident in the Bundelkhand region indicating high economic impacts. This reality needs immediate local political attention to build an electoral mandate around the need for mainstreaming the climate narrative in the local development agenda and mobilise political and electorate support for it."

Climate activist Sanjay Singh says that lack of sensitivity among common people and politicians towards the tough climatic conditions here has marginalised the issue that regularly affects the population.

TOI

Jal Saheli, a group of women water warriors, protesting for rejuvenation of the Gorari river in Simrawari area of the district

BJP sitting MP and Lok Sabha candidate from Jhansi-Lalitpur constituency Anurag Sharma says, "While making the list of local issues, we seek opinion from people from all quarters of the constituency, but there are hardly any people who raise this issue. However, climate-related issues do appear in our national manifesto."

The Lok Sabha candidate of the INDIA bloc from this constituency and former Union minister, Pradeep Jain, says, "Local climatic conditions may not be the issue in our manifesto, but we have been raising related issues such as illegal mining which is a major cause very strongly for many years."

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै0 आईनेक्स्ट, लखनऊ ..... दिनांक 22 APR 2024

आठ सीटों पर 61.11 प्रतिशत मतदान

LUCKNOW (21 APRIL): पहले चरण की आठ लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को हुए मतदान में 0.86 प्रतिशत वोट और बढ़ गए हैं. चुनाव आयोग की ओर से जारी मतदान के अंतिम आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 61.11 प्रतिशत हुआ है. शुक्रवार की रात मतदान के जो अनंतिम आंकड़े दिए गए थे उसके अनुसार 60.25 प्रतिशत मतदान बताया गया था. सर्वाधिक 66.14 प्रतिशत मतदान सहारनपुर में हुआ है. रामपुर में सबसे कम 55.85 प्रतिशत वोट पड़े हैं. बिजनौर में 58.73, कैराना में 62.46, मुरादाबाद में 62.18, मुजफ्फरनगर में 59.13, नगीना में 60.75 व पीलीभीत में 63.11 प्रतिशत मतदान हुआ है.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग का कार्य त्रुटिरहित ढंग से करायें पूर्ण :डीएम

मतदान केन्द्रों पर छाया व पेयजल को किये जाय माकूल प्रबन्ध

बहराइच। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतदान प्रकिया को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुसार विधानसभावार ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग कार्य, मतदेय स्थलों की तैयारी के सम्बंध में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा निर्देश दिये गये कि इस सम्बंध में आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का भलि-भांति अध्यन करते हुए ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग कार्य को त्रुटिरहित ढंग से सम्पन्न कराया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि गर्मी के दृष्टिगत मतदान केन्द्रों पर छाया के उचित प्रबन्ध कियाा जाय ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही स्वच्छ पेयजल व दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं के व्हीलचेयर की भी व्यवस्था रखी जाय।उन्होनें कहा कि माडल बूथ के रूप में पिंक बूथ, दिव्यांग बूथ, यूथा बूथों को साज-सज्जा से आकर्षण बनाया जाय। प्रयास किया जाय कि सभी बूथों को गुब्बारों इत्यादि से सजाया भी जाय। डीएम ने तहसीलों को निर्देश दिया कि जनपद के प्रवासी मतदाताओं के सम्पर्क नम्बर यथाशीघ्र उपलब्ध करा दे ताकि ऐसे मतदाताओं को जनपद में 13 मई ,व 20 मई 2024 को होने वाले मतदान में मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने के बल्क एसएमएस भेजे जा सकें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी, राजस्व कर्मी तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० स्पष्ट आवाज लखनऊ ..... दिनांक: 22 APR 2024

आबकारी विभाग ने छापेमारी कर बरामद की अवैध शराब

अमेठी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त के निर्देश पर प्रदेश भर में अवैध शराब के विरुद्ध चला ये जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत, जिलाधिकारी अमेठी व उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक व जिला आबकारी अधिकारी, अमेठी के पर्यवेक्षण मे रविवार को जनपद अमेठी में गठित टीम द्वारा ग्राम , हिण्डोलनी, सूखी बांजगढ , धौकल का पुरवा , तथा बलई का पुरवा में आकस्मिक दबिश दी गयी। दबिश के दौरान क्षेत्र -3 के थाना कमरौली के अन्तर्गत ग्राम हिण्डोलनी से कुल 36 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 100 किलो ग्राम लहन मौके पर नष्ट किया । इस कार्यवाही में 02 अभियोग आबकारी अधिनियम में पंजीकृत किया गया। साथ ही आबकारी दुकानो का सघन निरीक्षण किया गया तथा ग्राम वासियो को अवैध शराब पीने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए विभाग के टोल फ्री नम्बर अथवा संबंधित निरीक्षक के मोबाइल नम्बर पर अवैध शराब के निर्माण, बेचने व रोकथाम हेतु सूचना देने की अपील की गई तथा रोड एवं ढाबों की चैकिंग भी की गई।उक्त कार्यवाही मे चन्द्रभान वर्मा आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-3 तथा सुषमा मिश्रा आ० नि० क्षेत्र -1 व समस्त स्टाफ मो० साबिर सिद्दीकी ,समशेर कुमार, (प्र० आ० मि) सर्वेश वर्मा, योगेश कुमार तथा पुष्पेन्द्र कुमार (आबकारी सिपाही) तथा आबकारी वाहन चालक बृजेश चन्द्र पाण्डेय सम्मलित रहें।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर लखनऊ ..... दिनांक 22 APR 2024

चुनाव का पर्व 13 मई को, मतदान अवश्य करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नवीन मंडी परिसर में लोगों को वोट डालने के लिए किया प्रेरित

भास्कर ब्यूरो

कन्नौज। चुनाव आयोग के निर्देश पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा लोगों को जागरूक करने के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल द्वारा मंडी परिसर में सब्जी मंडी में लोगों के बीच जाकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मतदाता जागरूकता हेतु लोगों के बीच जाकर जागरूक किया तथा आमंत्रण पत्र वितरण किये। उन्होने कहा कि सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए 13 मई को अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान अवश्य करें। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि आप लोग याद रखें उन्होंने कहा कि आगामी 13 मई मतदान दिवस पर आप स्वयं जाएं और अपने परिवारजनों को भी बूथों साथ ले जाएं। कहा कि आप सभी लोग अपने पड़ोसियों को भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें। पूर्व में ऐसा देखा गया है नगरी क्षेत्र में अधिकांश मतदाता मतदान केंद्रों पर नहीं जाते हैं इसी दृष्टिकोण से हम आपके बीच आए हैं कि आप सभी लोग अपने मतदान केंद्रों पर अवश्य जाएं। कहा कि मतदान पर्ची आपके घर पहुंच जायेगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रारंभ हो गया है कन्नौज संसदीय क्षेत्र में 13 मई को मतदान होना है। कहा कि आप सब जागरुक मतदाता है 13 मई को सुबह 7:00 बजे अपने मतदान केंद्रों पर अवश्य जाएं और अपने परिवार को भी साथ में ले जाएं।इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार सिंह, जॉइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, उपजिलाधिकारी सदर अवीनाश कुमार गौतम, उपजिलाधिकारी न्यायिक सदर नवनीता राय, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

मतदाता जागरूकता अभियान के लिए आठ स्थानों से निकाली गई स्कूटी रैली

भास्कर ब्यूरो

वाराणसी। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 में अधिक से अधिक मतदान किये जाने हेतु सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम के अन्तर्गत रविवार को जनपद में स्कूटी रैली के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान किया गया। जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी एस. राजलिंगम ने यू०पी०कालेज गेट से स्कूटी रैली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो कि अतुलानन्द स्कूल, शिवपुर सेन्ट्रल जेल रोड, अम्बेडकर चौराहा, मिन्ट हाउस, जेएचवी माल, कचहरी होते हुए सर्किट हाउस पहुंचा। रैली में लोग ह्मतदान का महापर्व, आओ वोट करेंह्व का स्टीकर लगाए को चल रहे थे। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है, ऐसे में सबकी जिम्मेदारी है कि वह इस पर्व को अच्छे से मनाए और मतदान करे।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी अधिकारी स्वीप हिमांशु नागपाल ने भी आगामी 1 जून को अपने-अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग हर हालत में किए जाने हेतु लोगों से अपील की।

बताते चलें कि आज रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यू०पी०कालेज गेट से अतुलानन्द स्कूल, शिवपुर सेन्ट्रल जेल रोड, अम्बेडकर चौराहा, मिन्ट हाउस, जेएचवी माल, कचहरी होते हुए सर्किट हाउस, कबीरचौरा से मैदागिन से मछोदरी होते हुए राजघाट, मालवीय चौराहा बी०एच०यू से रविन्द्रपुरी, चेतमणि चौराहा, भवनियां पोखरी जल संस्थान होते हुए कमच्छा मन्दिर, रथयात्रा होते हुए नगर निगम मुख्यालय सिगरा, मोहनसराय से गंगापुर नगर पंचायत, कपसेठी बीआरसी केन्द्र से ब्लाक मुख्यालय, पिंडरा बाजार से फूलपुर बाजार, दीपराज तिराहा कटारी से चोलापुर बाजार तिराहा तथा चिरईगांव ब्लाक मुख्यालय से उमरहा बाजार तक, कुल आठ स्थानों से मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्पष्ट आवाज लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

463 मतदान कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

हमीरपुर। सीडीओ व प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक लोकसभा सामान्य निर्वाचन व जिला निर्वाचन अधिकारी हमीरपुर के निर्देश के क्रम में आज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदान ड्यूटी में लगाए गए पीठासीन अधिकारी एवं प्रथम मतदान अधिकारियों का दो पाली में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में प्रथम पाली में 304 व द्वितीय पाली में 164 मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाना था। जिसके सापेक्ष प्रथम पाली में 300 एवं द्वितीय पाली में 163 कुल 463 मतदान कार्मिक उपस्थित रहे। जिन्हें पोलिंग बूथ में सुचारू एवं निष्पक्ष रूप से मतदान सुनिश्चित करने हेतु सघन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, जिला विकास अधिकारी एवं मुख्य प्रशिक्षकों द्वारा मतदान संबंधी दायित्वों की सम्यक जानकारी प्रदान की गई।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

द्वितीय चरण मतदान की सुरक्षा के लिए पुलिस बल रवाना

स्वतंत्र चेतना,

बाराबंकी लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 के द्वितीय चरण-जनपद हापुड़ में होने वाले मतदान को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु क्षेत्राधिकारी हैदरगढ़ द्वारा अतिरिक्त पुलिस बल को ब्रीफ कर किया गया रवाना।क्षेत्राधिकारी हैदरगढ़ श्री हर्षित चौहान द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के द्वितीय चरण-जनपद हापुड़ में मतदान को सकुशल शान्ति पूर्ण सम्पन्न कराने हेतु जनपद बाराबंकी से ड्यूटी हेतु लगे अतिरिक्त पुलिस बल को ब्रीफ कर रवाना किया गया। ब्रीफिंग के दौरान प्रतिसार निरीक्षक श्री सुभाष चन्द्र मिश्र एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। क्षेत्राधिकारी द्वारा पुलिस बल को चुनाव ड्यूटी को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ करते हुए मतदान को शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने गया। क्षेत्राधिकारी द्वारा लोकसभा

एवं मतदेय स्थल की सुरक्षा एवं अवांछनीय तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए आदर्श चुनाव अचार संहिता एवं माननीय चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए मतदान को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु 52 मुख्य आरक्षी/आरक्षी को सशस्त्र, 1 बस के माध्यम से दैनिक उपयोग की • वस्तुएं (फर्स्ट एड किट, लंच आदि) देकर हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

मीडिया एकादश ने 36 रनों से प्रशासन एकादश को दी शिकस्त

अमेठी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को डा भीमराव अंबेडकर स्टेडियम अमेठी में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत अमेठी मीडिया एकादश एवं अमेठी प्रशासन एकादश के मय क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमें मीडिया एकादश की टीम ने 36 रनों से मैच जीता। पहले बल्लेबाजी करते हुए मीडिया एकादश की टीम ने 20 ओवरों में 172 रन बनाए जिसके सापेक्ष प्रशासन एकादश की टीम 20 ओवर में 136 रन ही बना पाई। क्रिकेट मैच में मीडिया एकादश की टीम में पवन यादव चिंतामणि मिश्र ड नृपेन्द्र त्रिपाठी अजुग पांडे दिलीप यादव विजय मिश्रा अभिषेक त्रिपाठी देवेंद्र सिंह इमरान राहुल लोकेश त्रिपाठी जितेन्द्र कौशल तथा प्रशासन एकादश की टीम में पुलिस आीक्षक अनूप कुमार अपर जिलाािकारी न्यायिक दिनेश मिश्र उपजिलाािकारी गौरीगंज दिग्विजय सिंह उपजिलाािकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया उपजिलाािकारी तिलोई आशीष सिंह अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मो असलम जिला समाज कल्याण आिकारी राजेश शर्मा सहायक अभियंता लघु सिंचाई अभिषेक पटेल तहसीलदार गौरीगंज अभय राज तहसीलदार मुसाफिरखाना राहुल सिंह तहसीलदार तिलोई अभिषेक यादव शामिल रहे। मैच में दोनों टीमों के सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच के उपरांत विनर तथा रनर दोनों टीमों को जिला निर्वाचन आिकारी/जिलाािकारी निशा अनंत पुलिस आीक्षक अनूप कुमार एवं मुख्य विकास आिकारी सूरज पटेल द्वारा ट्रफी दी गई। इस अवसर पर जिला निर्वाचन आिकारी ने कहा कि. क्रिकेट मैच में दोनों टीमों का शानदार प्रदर्शन रहा सभी खिलाड़ियों ने बहुत उत्साह के साथ मैच खेला। उन्होंने दोनों टीमों को बााई दी तथा कहा कि इस क्रिकेट मैच का उद्देश्य लोकसभा सामान्य निर्वाचन के अंतर्गत आगामी 20 मई को जन सामान्य अपने मतािकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि खेल में टीम की जीत से बड़ी जीत खेल भावना की है यह भावना एक दूसरे को जोड़ती है तथा यह संदेश देती है कि आओ हम सब साथ खेले साथ चलें 20 मई 2024 को साथ मतदान करें। जब हम सब मतदान करेंगे तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और देश जीतेगा। इसके साथ ही उन्होंने क्रिकेट टीम को स्पन्सर करने के लिए एसबीआई बैंक तथा मीडिया व प्रशासन की टीमों को ान्यवाद दिया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

अवैध देशी शराब बेचते गिरफ़्तार

अपराध ब्यूरो

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त, उ० प्र० के आदेश के क्रम में पुलिस आयुक्त, लखनऊ व जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर

अंकुश लगाने हेतु जनपद में चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज आबकारी निरीक्षक सेक्टर 1 कीर्ति पाण्डेय, लखनऊ द्वारा मयस्टॉफ संदिग्ध स्थानों पर दबिश और छापेमारी की गई। दौरान दबिश थाना मदेयगंज अन्तर्गत डालीगंज क्रॉसिंग के पास से एक अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय परमेश्वर दीन , निवासी शिवलोक , त्रिवेणी नगर -3 निराला नगर , लखनऊ को अवैध देशी शराब बेचते हुए गिरफ़्तार किया गया । मौके से विण्डीज ब्राण्ड की 24 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुई । गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना मदेयगंज में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए जेल भेजा गया । क्षेत्र में प्रवर्तन कार्य आगे भी जारी रहेगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० स्वतंत्र चेतना लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

डीएम ने प्रत्याशियों के नामांकन एवं पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र चेतना

बाराबंकी, जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिला मजिस्ट्रेट श्री सत्येंद्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ एडीएम श्री अरुण कुमार सिंह, एडीनशल एसपी श्री चिरंजीव नाथ सिन्हा और एसडीएम नवाबगंज श्री विजय त्रिवेदी के साथ लोकसभा चुनाव 2024 के प्रत्याशियों के नामांकन एवं पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान की व्यवस्थाओं का मौके पर पहुँचकर जायजा लिया। शनिवार की शाम जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्याशियों के नामांकन आदि की व्यवस्थाओं की जानकारी के लिए नामांकन कक्ष व आने जाने के रास्ते आदि की तैयारियों का भी जायजा लिया। इसके बाद जीआईसी ऑडिटोरियम, मंडीस्थल, परमेश्वर पैलेस और सीपी पैलेस आदि स्थानों पर पहुँचकर पोलिंग पार्टियों के स्टेशनरी; ईवीएम सहित सामग्री उपलब्ध कराना एवं निर्धारित वाहनों के जरिये उनकी रवानगी सहित वाहनों के आवागमन आदि की व्यवस्थाओं से सम्बंधित रूट चार्ट आदि की मौके पर ही अधिकारियों से जानकारी ली एवं सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र दिनांक 22 APR 2024

नामांकन के आखिरी दिन गाजेबाजे के साथ अधिवक्ताओं ने पेश की दावेदारी

लालगंज, प्रतापगढ़, 21 अप्रैल (तरुणमित्र)। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में मतदान के अखिरी दिन प्रत्याशियों द्वारा नामांकन को लेकर चुनाव समिति के कार्यालय के समक्ष धूम मची दिखी। गाजेबाजे के साथ प्रत्याशियों ने समर्थकों के उत्साह भरे माहौल में चुनाव समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के समक्ष अपने अपने नामांकन पत्र दाखिल किये।

अध्यक्ष पद पर शनिवार को राजेश चन्द्र तिवारी, घनश्याम मिश्र तथा विजय कुमार तिवारी ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर शैलेन्द्र चतुर्वेदी, अबरार अहमद, विभाकर नाथ शुक्ल तथा उपाध्यक्ष पद पर बालेन्द्र

अध्यक्ष पद पर आठ तथा महामंत्री पद पर पांच प्रत्याशियों के बीच होगा रोचक मुकाबला

कुमार त्रिपाठी, आशीष कुमार त्रिपाठी एवं विनय कुमार जायसवाल ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

महामंत्री पद पर संजीव कुमार तिवारी, महेश कुमार पटेल, अरविन्द पाण्डेय तपन ने अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। सहमंत्री पद पर वेद व्रत त्रिपाठी व पंकज त्रिपाठी तथा प्रचार मंत्री पद पर विनोद कुमार शर्मा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। सदस्य कार्यकारिणी पद पर सतीश पाण्डेय, आशुतोष द्विवेदी तथा दानिस ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

अध्यक्ष पद पर अब आठ प्रत्याशी तथा महामंत्री पद पर पांच प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा। चुनाव समिति के महामंत्री देवी प्रसाद मिश्र ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच दिनांक बाइस अप्रैल तथा तेईस अप्रैल को नाम वापसी की प्रक्रिया संचालित होगी। नामांकन प्रक्रिया की देखरेख में राममोहन सिंह, वीरेन्द्र सिंह अगई, शिवाकान्त उपाध्याय, अजय शुक्ल गुड्डू, कालिका प्रसाद पाण्डेय, राधा रमण शुक्ल, टीपी यादव को जुटे देखा गया। नामांकन प्रक्रिया के आखिरी दिन दिन भर तहसील परिसर में चुनावी गहमागहमी का माहौल दिखा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

प्रेक्षकगणों से मिल कर दी जा सकती है निर्वाचन सम्बन्धी जानकारी

बरेली, 21 अप्रैल (तरूणमित्र)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं निर्भीक ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिये चुनाव आयोग द्वारा नामित सामान्य एवं पुलिस प्रेक्षक जिले में पहुंच गये हैं जोकि आईवीआरआई के दत्ता गेस्ट हाउस में ठहरे हुये हैं। लोकसभा क्षेत्र 24-आंवला के सामान्य प्रेक्षक मुकेश कुमार अहूजा से सुबह 10 बजे से 11 बजे तक आईवीआरआई के दत्ता गेस्ट हाउस के कक्ष संख्या 04 में मिला जा सकता है। प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर 8979955491, लैण्डलाइन नम्बर 0581-2990347 है। लोकसभा क्षेत्र-25 बरेली के सामान्य प्रेक्षक जीवन बाबू के० से सुबह 08.30 बजे से 09.30 बजे तक आईवीआरआई के दत्ता गेस्ट हाउस के कक्ष संख्या 04 में मिला जा सकता है। प्रेक्षक महोदय का मोबाइल नम्बर 8218980180, लैण्डलाइन नम्बर 0581-2990349 है। लोकसभा क्षेत्र-24 आंवला व 25-बरेली के पुलिस प्रेक्षक श्रीमती वी० रत्ना से सुबह 09 बजे से 10 बजे तक आईवीआरआई के दत्ता गेस्ट हाउस के कक्ष संख्या 04 में मिला जा सकता है। प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर 8929198079, लैण्डलाइन नम्बर 0581-2990350 है। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के सम्बंध में अगर किसी व्यक्ति को निर्वाचन से संबंधित कोई शिकायत/जानकारी देनी है तो वह प्रेक्षक को उक्त नम्बरों पर शिकायत/जानकारी दे सकते हैं। अथवा निर्धारित स्थान पर मिल सकते हैं। यह जानकारी अपर जिलाधिकारी(वि./रा.)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष बहादुर सिंह ने दी है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

जिनिअ ने की ईवीएम स्ट्रांगरूम और चुनावी तैयारियों की समीक्षा

एटा, 21 अप्रैल (तरूणमित्र)। जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने मण्डी समिति में चुनावी तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आगरा लोकसभा क्षेत्र के पुलिस प्रेक्षक एन0एस0 निशा आईपीएस और सामान्य प्रेक्षक वरुण रंजन आईएएस को ईवीएम स्ट्रांगरूम, बैरीकेटिंग, पोलिंग पार्टी रवानगी और ईवीएम सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी।

डीएम ने प्रेक्षकगणों को मण्डी समिति में ईवीएम स्ट्रांगरूम के लिए चिन्हित किए गए स्थान, पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल, वाहनों की पार्किंग और बैरीकेटिंग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईवीएम की कमिश्निंग का कार्य मण्डी समिति में ही किया जाएगा। आगरा लोकसभा क्षेत्र में तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होगा, जिसके लिए पोलिंग पार्टियां यहीं से मतदान सामग्री लेकर पोलिंग स्टेशनों पर रवाना होंगी।

उन्होंने कहा कि आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए चुनावी प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने प्रेक्षकगणों द्वारा दिए गए सुझावों और निर्देशों का सख्ती से पालन करने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, उन्होंने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस दौरान एसएसपी राजेश कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष चौधरी, एडीएम प्रशासन सत्य प्रकाश, एएसपी धनंजय सिंह कुशवाह, उप जिलाधिकारी जलेसर और क्षेत्राधिकारी नगर सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

डालीगंज क्रासिंग के पास अवैध शराब बेचते धरा गया

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने को लेकर लखनऊ जनपद में चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत रविवार को आबकारी निरीक्षक सेक्टर एक कीर्ति पाण्डेय, लखनऊ द्वारा मयस्टॉफ संदिग्ध स्थानों पर दबिश और छापेमारी की गई। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने तरूणमित्र को बाया कि इस दौरान दबिश थाना मंदेयगंज अन्तर्गत डालीगंज क्रॉसिंग के पास से एक अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय परमेश्वर दीन को अवैध देशी शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

नामांकन कक्ष स्थापित करने को लिया जायजा

अंबेडकरनगर 21 अप्रैल 2024। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 16 मार्च 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की घोषणा के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह द्वारा निष्पक्ष, पारदर्शी चुनाव कराने हेतु शनिवार को नामांकन कक्ष स्थापित करने हेतु जायजा लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष, निर्वाचन कार्यालय परिसर, जिलाधिकारी परिसर, अपर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर का जायजा लिया गया। जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, बैरी केटिंग तथा अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिया गया। जिससे नामांकन के समय आने वाले प्रत्याशियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडे, उप जिलाधिकारी अकबरपुर पवन कुमार जायसवाल, क्षेत्राधिकारी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा अन्य अधिकारी /कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० तरुणमित्र लखनऊ दिनांक 22 APR 2024

व्यय प्रेक्षक ने किया महसी क्षेत्र का भ्रमण

बहराइच, 21 अप्रैल (तरूणमित्र)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र-56 बहराइच (अ.जा.) के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक टी. सेंथिल मुरूगन ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र महसी का भ्रमण कर क्षेत्र में तैनात फ्लाईंग स्क्वायड टीम तथा एस.एस.टी. बैरियर्स का निरीक्षण कर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता/निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य की जा रही कार्यवाही की बाबत जानकारी प्राप्त की। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र महसी के भ्रमण के दौरान व्यय प्रेक्षक श्री गुरूगन ने रामगांव चौराहा पर मौजूद स्टैटिक सर्विलांस टीम के मुखिया प्रशान्त

गौड से टीम गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया सतर्कता बनाये रखें। इसके पश्चात राजी चौराहा पर मौजूद फ्लाईंग स्क्वायड टीम के मुखिया हरिभान सिंह से जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि वाहनों

- ग्रीष्म ऋतु को मद्देनजर रखते हुए सावधानी बरतने के दिये निर्देश
- एस.एस.टी. व एफ.एस.टी. की गतिविधियों से हुए रूबरू

की चेंकिंग का ब्यौरा पंजिका में दर्ज किया जाय। व्यय प्रेक्षक ने निर्देश दिया कि वाहन चालक का विवरण भी प्राप्त किया जाय तथा वाहन कहां से कहां को जा रहा है तथा यात्रा के उद्देश्य के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जाय। व्यय प्रेक्षक ने महाराजगंज व चाहलारीघाट पर मौजूद फ्लाईंग स्क्वायड टीम तथा रमपुरवा व खैराबाजार में एसएसटी की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिया कि सभी टीमें मुस्तैदी के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गयी मानक प्रचालन प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित कराएं।

व्यय प्रेक्षक के क्षेत्र भ्रमण की विशेषता यह रही है कि निरीक्षण के दौरान फ्लाईंग स्क्वायड तथा स्टैटिक सर्विलांस टीम के सदस्यों को सुझाव दिया कि शुष्क मौसम व हीट वेव को देखते हुए अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें। टीम के सदस्यों को प्रेक्षक ने सुझाव दिया कि ड्यूटी करते समय अपने पास पानी अवश्यक रखें तथा जहां तक संभव हो सर को भी ढक कर रखें। इस अवसर पर व्यय प्रेक्षक के लाईजन आफिसर/जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह मौजूद रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

22 APR 2024

समाचार पत्र का नाम ..... दै0 आईनेक्स्ट, लखनऊ ..... दिनांक .....

सबसे कम पोलिंग बूथ कैंट में और सर्वाधिक सरोजनीनगर में

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 April):

लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं. सभी मतदान केंद्रों और पोलिंग बूथों पर सुविधाओं को अंतिम रूप देने का काम शुरू कर दिया गया है. सरोजनीनगर में सबसे अधिक मतदान बूथ बनाए गए हैं, जबकि कैंट में सबसे कम मतदान बूथ रहेंगे.

लोकसभा चुनाव में करीब 28 हजार कर्मियों की लगाई जाएगी ड्यूटी

287

मतदान केंद्र बनाए गए मलिहाबाद में

सर्वाधिक बूथ यहां

अब अगर पोलिंग बूथ की बात की जाए तो सरोजनीनगर में सबसे अधिक 582 बूथ बनाए गए हैं, जबकि कैंट में यह संख्या 330 की है. अन्य विधानसभाओं में यह आंकड़ा 339 से लेकर 414 तक है. पूर्व में 417 बूथ बनाए गए हैं, वहीं मध्य में यह संख्या 339 की है.

यहां मतदान केंद्र अधिक

मलिहाबाद में सबसे अधिक मतदान केंद्र 287 बनाए गए हैं. सबसे कम मतदान केंद्र की संख्या लखनऊ उत्तर में है. यहां मतदान केंद्र की संख्या 84 है. इसी तरह मध्य में 94, पश्चिम में 104, सरोजनीनगर में 231 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. वहीं दूसरी ओर इस बार लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोगों को लगातार जागरुक किया जा रहा है. सामाजिक संगठन इसमें लगे हैं.

इस तरह समझें

विधानसभा	बूथ	केंद्र
मलिहाबाद	405	287
बीकेटी	487	271
सरोजनीनगर	582	231
पश्चिम	414	104
उत्तर	393	84
पूर्व	417	86
मध्य	339	94
कैंट	330	89
मोहनलालगंज	399	299

व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग

जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देश पर सभी मतदान केंद्र और पोलिंग बूथों पर वोटर्स को लेकर सुविधाएं डेवलप की जा रही हैं. सीनियर सिटीजंस और दिव्यांगजन वोटर्स के लिए सक्षम एप पर खास तौर पर निगरानी की जा रही है. जिससे अगर कोई भी एप के माध्यम से वोटरी आती है तो उसे तुरंत दूर किया जा सके.

80 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य

इस लोकसभा चुनाव में 80 प्रतिशत से अधिक वोटिंग का लक्ष्य रखा गया है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अलग-अलग चरणों में जागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं. इस बार 39 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का यूज करेंगे. वहीं नए मतदाता भी अपना प्रतिनिधि चुनते हुए नजर आएंगे. चूंकि 20 मई को ही पूर्वी विधानसभा की एक सीट पर उपचुनाव भी होना है, ऐसे में यहां भी मतदान केंद्रों तक अधिक से अधिक मतदाता पहुंचे, इसके लिए कवायद हो रही है.

29 अप्रैल से शुरू होगी ट्रेनिंग

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि 29 अप्रैल से चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों की ट्रेनिंग शुरू कराई जाएगी. पहले रैंडमाइजेशन में 28 हजार 116 कार्मिकों की ड्यूटी को निर्धारित किया गया है. इसमें 4769 पीठासीन अधिकारी, 4769 मतदान अधिकारी प्रथम, 16523 मतदान अधिकारी सेकंड व तृतीय एवं 598 माइक्रो आब्जर्वर हैं.

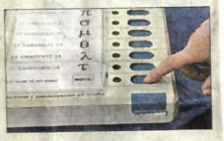

समाचार पत्र का नाम ....दै० आईनेक्स्ट, लखनऊ............ दिनांक ....22 APR 2024....

रक्षा मंत्री 29 अप्रैल को करेंगे नामांकन

26 को पूर्वी विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार दाखिल करेंगे नामांकन

LUCKNOW (21 APRIL): रक्षा मंत्री राजनाथ सिह लखनऊ संसदीय सीट से 29 अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे. नामांकन जुलूस में मंत्री, महापौर, विधायक, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे. भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री समेत सभी अन्य लोग भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पर सुबह दस बजे एकत्र होंगे. राजनाथ सिह भव्य पार्टी रथ पर सवार होकर विशाल जनसमूह के साथ कलेक्ट्रेट की तरफ जाएंगे. दूसरी तरफ पूर्वी विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ओपी श्रीवास्तव 26 अप्रैल को नामांकन करेंगे. वह दोपहर बारह बजे भाजपा प्रदेश मुख्यालय से कलेक्ट्रेट के लिए प्रस्थान करेंगे.